ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-08-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-08-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-08-26	2023-08-27	2023-08-28	2023-08-29	2023-08-30
वर्षा (मिमी)	15.0	10.0	12.0	8.0	8.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	33.0	34.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	25.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	85	80	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	60	60	60	60
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	10	10	12	8
पवन दिशा (डिग्री)	70	140	140	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	2	1	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (18-24अगस्त) में 64.8 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 27.0 से 34.6 डिग्री सेल्सियस और 24.1 से 27.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान ज्यादातर दिन आसमान में बादल भी छाए रहे। सुबह की सापेक्ष आर्द्रता 0712 बजे 82 से 95% और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता 1412 बजे 63 से 89% के बीच रही। हवा की गति 0.1 से 5.1 किमी प्रति घंटा रही और दिशा अधिकतर उत्तर की ओर थी।आगामी पांच दिनों के लिए पूर्वानुमान में 8-15 मिमी के बीच बहुत हल्की वर्षा और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 25-26 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्शाया गया है। हवा की गति 8-12 किमी प्रति घंटा होगी और दिशा ज्यादातर पूर्व-उत्तर-पूर्व होगी। 25 और 26 अगस्त को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/आंधी चलने की संभावना है। चेतावनी: 25 और 26 अगस्त को तीव्र वर्षा के साथ आंधी/बिजली गिरने के संबंध में पीला अलर्ट दिया गया है।

सामान्य सलाहकार:

आईएमडी द्वारा दी गई साप्ताहिक वर्षा जिले में 133.7 मिमी थी जो बहुत अधिक होने का संकेत देती है जबकि विस्तारित सीमा पूर्वानुमान 25-31 अगस्त के लिए कम वर्षा का संकेत देता है। एनडीवीआई कंपोजिट 0.2-0.4 के बीच था, जिससे मध्यम कृषि शक्ति का पता चलता है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स कर सकते हैं गूगल प्ले स्टोर (एंड्राइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले पांच दिनों में बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। चेतावनी: 25 और 26 अगस्त को गरज के साथ बिजली चमकने और तीव्र बौछारें पड़ सकती हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान में कहीं-हींकहीं पर बैक्टीरिया जनित झुलसा रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। जिन खेतों में पंक्तियों के अगले भाग सूखकर सफेद हो गये हों या पंक्तियो के दोनों किनारे ऊपर से नीचे की ओर सूखते हुये सफेद हो रहे हों वहाँ खेतों में कॉपर ओक्सीक्लोराइड 500ग्राम तथा स्टेपटोसाइक्लिन 15ग्राम, 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिकाव करें। छिड़काव करने के पूर्व खेत से पानी निकाल दें तथा यूरिया का प्रयोग न करें। छिड़काव 7-10 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। धान की फसल में रोपाई के 45-50 दिन बाद, तना बेधक का प्रकोप होने पर, क्लोरान्ट्रा निलिप्रोले 20 एस सी 150 मिली/है0 या फ्लूबेंडिबें यामाइड 480 एससी 75 मिली/है0 या फिप्रोनील 5 एससी 1.0 लीटर या कॉरटाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लू पी 600ग्राम या क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी 2.5 लीटर 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से छिडत्रकाव करें।सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए।
मक्का	फसल की उचित निगरानी करें और झुलसा रोग के लक्षण दिखने (लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे) पर मैंकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1. 5 -2. 0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए।सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए ।
गन्ना	सफ़ेद गिडार/ कुरमुला कीट के नियंत्रण हेतु फिप्रोनिल 40 प्रतिशत तथा इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लू जी को 200 ग्राम/प्रति एकड़ की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में प्रयोग करें। गन्ने की फसल में, सफेद मक्की के लिए थियामेथोक्ज़ाम 25 डब्लू जी का 125 ग्राम/हैक्टर। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए ।
मूँगफली	टिक्का रोग में पत्तियों पर हलके भूरे रंग के गोल धब्बे बन जातें है जिसके चारों ओर निचली सतह पर पीले घेरे होते है। इसके उपचार हेतु खड़ी फसल पर क्लोरोथेनोनिल 2 कि.ग्रा./ मैंकोजेब 80% 2 कि.ग्रा./ प्रोपिकोनाज़ोले 25 ई.सी. 500 मि. ली. मात्रा 800 से 1000 ली. पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से 2-3 छिड़काव 10-12 दिन के अंतराल पे करें। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए ।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
पालक	अगेती पालक के लिए खेत तैयार कर इस माह के अंत तक बुवाई करें। पालक की बुवाई 25-30 से0मी0 की दूरी पर कतारों में करें जिसमें बीज दर 25-30 कि0ग्रा0 बीज प्रति हैक्टेयर रखें। सभी कृषि गतिविधियाँ इष्टतम मिट्टी की नमी की स्थिति में की जानी चाहिए।
कद्दू	पकी हुई कद्दू वर्गीय फसल को सुरक्षित स्थान पर संग्रहित करना चाहिए तथा खड़ी फसल में अनियमित आकार के पीले धब्बे दिखाई देने पर पत्तियों को पलट कर जांच करनी चाहिए तथा यदि पत्तियों के निचले भाग में हल्के भूरे रंग की फफूंद की वृद्धि हो तो उसे मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर के दर से नियंत्रित करना चाहिए।। रसायन का छिड़काव साफ मौसम में करना चाहिए।
आम	इस माह आम में जाला बनाने वाला टेन्ट कैटरपिलर कीट का भी प्रकोप होता है इसलिए जाला छुड़ाने वाले यंत्र से जाले को साफ करे। एवं प्रभावित प्ररोहो को काटकर कीड़ो सहित जला दे। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए ।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोटूघोटूरोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।
भेंस	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोटूघोटूरोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।